प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

राष्ट्रीय मशरूम दिवस पर एक-दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन

पंतनगर। 23 दिसम्बर 2020। विश्वविद्यालय के अखिल भारतीय समन्वित शोध परियोजना मशरूम के अन्तर्गत आज राष्ट्रीय मशरूम दिवस पर मशरूम शोध निदेशालय सोलन, हिमाचल प्रदेश के वर्तमान निदेशक, डा. वी.पी. शर्मा के निर्देशानुसार 'इम्यूनिटीबूस्टर के रूप में मशरूम' विषयक एक कार्यक्रम का आयोजन ग्राम जवाहर नगर में परियोजनाधिकारी, डा. एस.के. मिश्र, के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि, श्रीमती पुष्पा काण्डपाल, प्रधान ग्राम जवाहर नगर; जिला पंचायत प्रतिनिधि, प्रेम आर्या; क्षेत्र पंचायत प्रतिनिधि, पंकज कौरंगा एवं लता पटवाल तथा मुख्य अतिथि के रूप में निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. ए.के. शर्मा, के साथ निदेशक शोध, डा. ए.एस. नैन एवं संयुक्त निदेशक, मशरूम शोध एवं प्रशिक्षण केन्द्र, डा. के.पी.एस. कुशवाहा उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि डा. ए.के. शर्मा ने बताया कि एक सफल मशरूम उत्पादक को मशरूम को बाजार में बेचना की कला भी आनी चाहिए जिससे वह अधिक लाभ प्राप्त कर सके। इसी क्रम में डा. ए.एस. नैन ने बताया कि पंतनगर विश्वविद्यालय अब किसानों के लिए क्रय-विक्रय केन्द्र की स्थापना करने जा रहा है और किसान अपना कृषि उत्पाद विश्वविद्यालय की सहायता से ऑनलाइन खरीद एवं बेच पायेंगे। उन्होंने विभिन्न प्रकार के मशरूमों जैसे शिटाके मशरूम तथा मंकी हैड मशरूम आदि में पाए जाने वाले विशिष्ट औषधीय गुणों एवं स्वास्थ्य के प्रति लाभकारी बताया। डा. कुशवाहा ने बताया कि वर्षभर में तापमान के अनुसार विभिन्न प्रकार के मशरूमों को लगा सकते है। साथ ही उन्होंने किसानों को मशरूम को लगाने के लिए प्रेरित भी किया। वरिष्ठ शोध अधिकारी, डा. मिश्रा ने श्रोताओं को मशरूम को एक इम्यूनिटीबूस्टर एवं इसके लाभों से किसानों को अवगत कराया। उन्होंने कहा कि मशरूम को विभिन्न रूपों में जैसे मशरूम पाउडर, मशरूम पापड़, मशरूम बड़ी आदि के रूप में प्रयोग कर सकते है और मशरूम के विपणन के स्थानीय मॉडल के बारे में चर्चा की।

एक्रिप परियोजना के कनिष्ठ अधिकारी, डा. रेनू सिंह ने अतिथियों तथा श्रोताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती डी. शर्मा, प्रसार शिक्षा ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रक्षेत्र सहायक, श्री सर्वेश कुमार, श्री सुनील कुमार तथा दीपक का सहयोग रहा। कार्यक्रम में 100 से अधिक महिला किसान उपस्थित थे।

कार्यक्रम में किसानों को मशरूम के बारे में जानकारी देते हुए निदेशक प्रसार शिक्षा, डा. ए.के. शर्मा।